मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 112, मुंबई, बुधवार, 1 जुलाई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

...तू तड़ाक!

राहुल बोले– सरकार कहती है कि पैसे नहीं हैं, मैं याद दिला दूं कि सरकार ने 15 बड़े उद्योगपतियों का लाखों करोड़ों का टैक्स माफ कर दिया

चीनी घुसपैठ पर पीएम की चुप्पी पर राहुल गांधी ने कसा

तंज

मोदी की स्पीच के बाद राहुल ने कहा- तू इधर उधर की न बात कर, ये बता कि काफिला क्यूं लुटा

स्वर्गीय सुषमा स्वराज ने भी कभी मनमोहन के लिए संसद में यही शेर पढ़ा था

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन के फौरन बाद राहुल गांधी ने एक शेर के जरिये उन पर करारा तंज कसा है। पीएम मोदी के संबोधन के तुरंत बाद राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'तू इधर-उधर की न बात कर, ये बता कि काफिला कैसे लुटा, मुझे रहजनों से गिला तो है, पर तेरी रहबरी का सवाल है।' राहुल गांधी के इस शायराना ट्वीट को पीएम मोदी के अपने संबोधन में चीनी घुसपैठ, अर्थव्यवस्था और बढ़ती पेट्रोल-डीजल कीमतों पर कुछ न बोलने पर तंज के तौर पर देखा जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में चीनी घुसपैठ पर एक शब्द भी नहीं बोला और न ही देश में करीब एक महीने से बढ़ रही पेट्रोल–डीजल की कीमतों पर ही कुछ कहा। देश पर छाए आर्थिक संकट और विकराल होती बेरोजगारी पर भी प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक शब्द खर्च नहीं किया।

आरोग्य सेतु ऐप में समस्या

लॉग–इन नहीं होने से यूजर परेशान

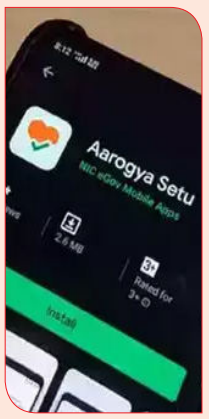

संवाददाता

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण से जनता को बचाने के लिए बनाए गए आरोग्य सेतु ऐप ने देर रात को अचानक काम करना बंद कर दिया। यूजर जब इस ऐप में लॉग-इन करने की कोशिश कर रहे हैं तो उन्हें बार-बार इरर दिखाई दे रहा है। उधर, आरोग्य सेतु की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि लॉग इन में दिक्कत आ रही है और हमारी तकनीकी टीम इसे ठीक करने में लगी हुई है। आरोग्य सेतु ने कहा कि तकनीकी गड़बड़ी दूर होते ही ऐप दोबारा काम करना शुरू कर देगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

पाकिस्तान में हमला

कराची स्टॉक एक्सचेंज पर हुआ आतंकी हमला पाकिस्तान के लिए न सिर्फ दुख और चिंता की घड़ी है, बल्कि इस हमले ने यह भी जता दिया है कि आतंकी इंसानियत से दुश्मनी निभाने में बहुत नीचे उतर गए हैं। चार आतंकियों ने सोमवार सुबह बंदरगाह शहर कराची में पाकिस्तान के सबसे बड़े और सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज पर हमला बोल दिया। पहले ग्रेनेड और फिर बंदूक से किए गए इस हमले में मौके पर ही करीब पांच लोग मारे गए हैं। अच्छा हुआ कि सुरक्षाकर्मियों ने जल्द ही चार आतंकियों को शांत कर दिया, वरना कराची के बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक इलाके में तबाही का आलम होता। अब एक-एक दोषी पर शिकंजा कसना कराची पुलिस और सुरक्षा बलों का मुख्य मकसद हो जाना चाहिए। पिछले कुछ महीनों से कराची में स्थिति कुल मिलाकर ठीक थी और यहां के शासन-प्रशासन ने मेहनत करके शहर को कुछ सुधारा था। कभी कराची अपराध, राजनीतिक और जातीय हिंसा का एक बड़ा केंद्र हुआ करता था। हथियारों से लैस समूहों में आपस में भिड़ंत होती रहती थी। कभी आवासीय क्षेत्रों पर भी हमले होने लगे थे। फिर भी हाल के वर्षों में सशस्त्र राजनीतिक संगठनों और कट्टर आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कार्रवाई के बाद स्थिति काफी हद तक संभल गई थी। पर इस हमले ने कराची को फिर चिंता में डाल दिया है। आज पाकिस्तान जिस आर्थिक स्थिति में है, उसमें कराची जैसे व्यावसायिक केंद्रों का महत्व बहुत ज्यादा है। गौरतलब है कि स्टॉक एक्सचेंज कराची के वित्तीय इलाके के केंद्र में है। यहां पाकिस्तान स्टेट बैंक के साथ-साथ कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के मुख्यालय भी हैं। ऐसे में, इस आतंकी हमले की गंभीरता को समझा जा सकता है। इसके पहले साल 2018 में अलगाववादी आतंकियों ने कराची में चीनी वाणिज्य दूतावास पर हमला किया था, जिसमें चार लोग मारे गए थे। ताजा हमला पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती है। पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों को यह समझना होगा कि उनके द्वारा आगे बढ़ाए गए कौन-से आतंकी समूह ऐसे हैं, जो अपने ही देश को तबाह कर देना चाहते हैं। एक तो वैसे ही कोरोना का कहर है, जिससे पाकिस्तान में दो लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 4,000 से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी है। ऐसे विकट समय में भी आतंकियों को अगर हिंसा सूझ रही है, तो उनकी मानसिकता की जितनी भर्त्सना की जाए, कम होगी। साथ ही, ऐसी मानसिकता को खाद-पानी देने वाले पाकिस्तान को अपनी नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए। हिंसा और आतंकवाद को जिस तरह से उसने पनपने दिया गया है, जिस स्तर की अंधी संकीर्णता वहां जड़ें जमा चुकी है, उससे तत्काल पीछे हटने की जरूरत है। दुनिया को दिखाने के लिए केवल यह बोल देना ही काफी नहीं है कि हम आतंकवाद के खिलाफ हैं या हम खुद भी पीड़ित हैं। ऐसे दिखावटी दावों से पाकिस्तान आगे बढ़ने को तैयार नहीं है, और इसी का उसे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। पाकिस्तानी प्रतिष्ठान की इसी कमी ने उसे न केवल दुनिया, बल्कि स्वयं अपने लोगों में अविश्वसनीय बना रखा है। जरूरी है कि पाकिस्तान जमीनी हकीकत पर गौर करे, तभी वह अपने यहां आतंकी हमलों को रोक पाएगा और दूसरे देशों व विश्व मंचों पर शर्मसार होने से बचेगा।

कोरोना काल में बैंकों की भांति और उपयोगी साबित हुए डाकघर

सरकार के लिए बोझ व जनता के लिए अनुपयोगी माने जा रहे और देश के समस्त डाकघरों की रौनक कोरोना काल में लौटती दिख रही है। बैंकों की भांति डाकघरों को तमाम नई सेवाओं व सुविधाओं से लैस कर दिया गया है। सरकार ने इन्हें उपयोगी व कमाऊ बनाने के रास्ते खोज लिए हैं। करीब 1,900 करोड़ रुपये की एक परियोजना के तहत सरकार ने सौर ऊर्जा से चलने वाली बायोमैटिक हैंड मशीनें डाकियों को मुहैया कराई हैं जिनसे वे अब घर-घर जाकर मनीऑर्डर से लेकर जमा, निकासी आदि तमाम सुविधाएं आम जनता को देने लगे हैं। ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से लैस इन मशीनों से साधारण डाक, ई-मनीऑर्डर, स्पीड पोस्ट, बीमा प्रीमियम और अन्य ऐसे भुगतान जो बैंकों के माध्यम से किए जाते हैं समेत पैसा जमा करना व निकालना आदि आम जनता के लिए घर बैठे करना संभव हो चुका है। देश के समस्त डाकघरों को एकीकृत करने का काम शुरू हो चुका है और अब एक टोल फ्री नंबर द्वारा उक्त सेवाएं शुरू की जा रही हैं जिससे जनता घर बैठे अपने निकटतम डाकखाने से सभी प्रकार की सुविधाओं का लाभ उठा सके।

बैंकों का आधुनिकीकरण होने व कोरियर कंपनियों की अच्छी सेवाओं के चलते पिछले एक दशक से डाकखानों का महत्व व उपयोगिता लगभग खत्म होने लगी थी और एक समय इनको बंद करने की मांग उठने लगी थी। डाकघर बहुत ज्यादा घाटे में आ गए थे और इनके अस्तित्व पर सवाल उठने शुरू हो गए थे। पर अब हालात कुछ बेहतर हुए हैं। हालांकि योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक उम्दा बुनियादी ढांचे का अभाव अभी भी कायम है और इसमें सुधार की उम्मीद फिलहाल कम ही प्रतीत हो रही है। सरकार ने डाकघरों में नेटवर्क्रकिंग व कंप्यूटरीकरण आदि का काम तो तेजी से आरंभ कर दिया है, किंतु प्रशिक्षण आदि व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया है। अभी तक डाकखानों में नोट गिनने और नकली नोटों की पहचान संबंधी मशीन भी नहीं लगाई गई है। बहरहाल नई हैंड मशीनों से न केवल डाक विभाग को, बल्कि आम जनता को भी घर बैठे तमाम अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो गई हैं। गांवों के लिए तो यह विशेष रूप से वरदान साबित हो रही है। पहले जहां डाकघर से मनीऑर्डर भेजना बहुत दुष्कर व झंझट वाला कार्य था, वहीं अब ये बेहद आसान व सुगम हो गए हैं। इस योजना से भारतीय डाक विभाग आधुनिक ही नहीं बनेगा, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स कारोबार का फायदा भी उसे मिलेगा। अगर किसी सामान में कैश ऑन डिलीवरी यानी सामान पहुंचने के बाद ही रकम देने की शर्त है तो डाकिया मौके पर पैसा लेकर तत्काल ई-कॉमर्स कंपनियों के खाते में भेज देगा। इतना ही नहीं डाकिये की उस मशीन से किसी भी बैंक के खाते में जमा व निकासी की जा सकती है। इसके तहत डाकिये के साथ जो भी लेन-देन किया जाएगा, उसकी रसीद भी इस मशीन से फौरन निकल जाएगी। लेन-देन की जानकारी बीएसएनएल के मोबाइल नेटवर्क के जरिये डाक विभाग के मुख्य सर्वर पर फौरन भेज दी जाएगी।

हालांकि तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। वह यह कि समुचित प्रशिक्षण, उपकरण व व्यवस्था के अभाव में कामकाज की गति बेहद धीमी है और आम जनता को भारी परेशानियों से दो-चार होना पड़ रहा है। डाकियों को ये नई मशीनें दे तो दी गई हैं, पर उन्हें इस बाबत प्रशिक्षित नहीं किया गया है। दूसरी तरफ कंप्यूटराइजेशन व एकीकरण का काम पूरा न होने से ये मशीनें कई जगहों पर नकारा भी साबित हो रही हैं। चूंकि किसी भी डाकिये को यह मालूम नहीं होता कि डीलिंग वाले डाकघर में कंप्यूटराइजेशन व एकीकरण का काम पूरा हो गया है अथवा नहीं इसलिए मशीनों में ट्रांजेक्शन फंसने से जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तमाम डाकघरों में शिकायतों का अंबार लगता जा रहा है और जनता को सामान्य कामकाज निपटाने में भी कई प्रकार की मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। इसमें अधिकांश योगदान ई-कॉमर्स कंपनियों का है। कोरोना से पहले ई-कॉमर्स से कैश ऑन डिलीवरी मद की कमाई चालू वित्त वर्ष के अंत तक 2,500 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया था, जो पिछले वित्त वर्ष के अंत तक मात्र 500 करोड़ रुपये ही था। अनुमान है कि अब विभाग की सेवाएं बेहतर होंगी और गड़बड़ी या सामान की चोरी की आशंका काफी हद तक खत्म हो जाएगी।

ताकत को पहचाने भारत

आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अनुसार हाइपरसोनिक्स, 5-जी इंटरनेट, जेनेटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थ्रीडी प्रिंटिंग संबंधी तकनीक से ही यह तय होगा कि विश्व पर किसका दबदबा रहेगा? नई तकनीकों पर पेटेंट लेने के लिए वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन यानी वाइपो में अर्जी दाखिल की जाती है जिससे उस तकनीक पर विश्व में पेटेंट धारक का एकाधिकार स्थापित हो जाए। वाइपो के अनुसार गत वर्ष चीन ने अमेरिका से अधिक संख्या में पेटेंट की अर्जियां दाखिल की हैं। 1999 में चीन ने केवल 300 अर्जी दाखिल की थीं जो गत वर्ष 59000 हो गईं, जबकि अमेरिका द्वारा केवल 58000 अर्जियां दाखिल की गईं। इस तरह अमेरिका चीन से पिछड़ गया।

यह भी सामने आया कि चीन की कंपनी हुआवे लगातार तीसरे वर्ष सर्वाधिक पेटेंट फाइल करने वाली वैश्विक कंपनी बन गई है। स्पष्ट है कि चीन विश्व का तकनीकी गुरु बन चुका है। चीन की इस तकनीकी बढ़त का कारण वहां की सरकार का राजनीतिक संकल्प और वित्तीय सहायता है। भारत का चीन से एक संबंध निवेश का है जैसे हमारी ओला टैक्सी कंपनी में चीन ने निवेश कर रखा है। यदि समय क्रम में हम इस तरह की कोई और कंपनी बनाकर ओला को मात देने में सफल रहते हैं तो चीन का यह निवेश हमारे लिए लाभप्रद हो जाएगा। इसके विपरीत यदि ओला टैक्सी लंबे समय तक चीन को लाभ कमाकर भेजती रही तो यही निवेश हमारे लिए हानिप्रद हो जाएगा। इसलिए चीन से निवेश बंद करने का प्रभाव इस पर निर्भर करेगा कि हममें दम कितना है? यदि हमने घरेलू पूंजी एकत्रित कर ली अथवा सरकार ने पूंजी उपलब्ध करा दी तो चीन से पूंजी न मिलने का हम पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसी प्रकार व्यापार का विषय है। हमारे माल की उत्पादन लागत अधिक आती है और इसीलिए हम चीन से पिट रहे हैं। इस परिस्थिति में यदि हम चीन से आयात नहीं करते तो हमें स्वयं तो महंगे माल की खपत करनी ही पड़ेगी, साथ ही साथ हम विश्व बाजार से बाहर हो जाएंगे। चीन से व्यापार करें या न करें, दोनों स्थिति में हम मार खाएंगे। यदि हम व्यापार करेंगे तो चीन का सस्ता माल हमारे बाजार में आएगा और

हमारे उद्योगों को नष्ट करेगा। अगर हम व्यापार नहीं करेंगे तो हमारे माल का उत्पादन महंगा पड़ेगा और हम पुनः मार खाएंगे। इसलिए आज विषय यह नहीं कि हम चीन से व्यापार करें या न करें? विषय यह है कि क्या हम अपने माल को चीन की तरह सस्ता बना सकते हैं? आखिर हम तकनीक के सृजन में चीन से कमजोर क्यों पड़ रहे हैं? 1950 में ही नहीं, बल्कि 1980 में भी हम चीन से आगे नहीं तो उसके बराबर थे। अब फिर से बराबरी और बढ़त हासिल करने के लिए हमें वित्तीय सहायता और राजनीतिक संकल्प, दोनों पक्षों पर विचार करना होगा। भारत सरकार द्वारा जारी 2017-18 के आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया था कि पिछले 20 वर्षों से रिसर्च पर देश की कुल आय या जीडीपी का केवल 0.7 प्रतिशत रकम खर्च की जा रही है, जबकि चीन द्वारा 2.1 प्रतिशत, लेकिन यह ध्यान रहे कि चीन का जीडीपी हमसे लगभग पांच गुना है इसलिए शुद्ध रकम में हम चीन के द्वारा खर्च की जा रही रकम का केवल सात प्रतिशत रिसर्च में निवेश कर रहे हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पाकिस्तान से मुंबई के ताज होटल में आया फोन, 26/11 जैसे हमले की दी धमकी

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा फोन पाकिस्तान से आया है। धमकी भरा फोन आने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। ताज होटल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि धमकी देने वाले ने कहा कि ताज में 20/11 जैसा हमला एक बार फिर से होगा। कराची स्टॉक एक्सचेंज आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान से मुंबई के ताज होटल में कॉल की गई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने धमकी दी, कराची स्टॉक एक्सचेंज में हुआ आतंकी हमला सभी ने देखा है। अब ताज होटल में 26/11 जैसा हमला एक बार फिर होगा। ताज होटल प्रशासन ने पुलिस को धमकी की सूचना दी। बताया जा रहा है कि धमकी भरा फोन पाकिस्तान से आया है। रातभर मुंबई पुलिस और होटल स्टाफ ने मिलकर पूरे होटल की सुरक्षा का मुआयना किया। होटल में रात से ही सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

यहां आने वाले गेस्ट और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। होटल में रह रहे गेस्ट की पूरी डीटेल खंगाली जा रही है। साथ ही दक्षिण मुंबई में पुलिस की नाकाबंदी बढ़ा दी गई है।

क्या है 26/11 हमला

26 नवंबर, 2008 देश के इतिहास का सबसे भयावह दिन है। यही वह दिन था जब दुनिया ने मुंबई में आतंक का डरावना चेहरा देखा था। उस हमले में 150 से ज्यादा लोग मारे गए थे। पाकिस्तानी आतंकियों ने ताज और ट्राइडेंट होटल के साथ-साथ छत्रपति शिवाजी टर्मिनस पर हमला किया था।

चीन, कोविड-19 से निपटने पर ध्यान केंद्रित करे केंद्र सरकारः शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि लोग चीन के साथ सीमा पर गतिरोध को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच वाक्युद्ध से उकता चुके हैं और सरकार को पड़ोसी देश के साथ विवाद और कोरोना वायरस संकट से निपटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में छपे संपादकीय में कहा, चीन का रुख अड़ियल रहा है और वह कभी नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि अब अतीत को भूलकर मौजूदा संकट से निपटने और देश के लिए नया भविष्य लिखने की आवश्यकता है। गलवान घाटी में 15 जून को हुए संघर्ष में 20 भारतीय जवानों के शहीद हो जाने के बाद से दोनों पक्षों में तनाव और बढ़ गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चीन के साथ सीमा विवाद और कोविड-19 से अच्छी तरह निपट लेगा। शाह के बयान का जिक्र करते हुए शिवसेना ने कहा, सरकार को विपक्षी दल पर नहीं, बल्कि इन दो समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। विपक्षी दल के उठाए प्रश्नों से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उसने कहा कि राजस्थान से कांग्रेस विधायक ने कोविड-19 महामारी से निपटने संबंधी संदेश देने वाली मोबाइल कॉलर ट्यून हटाने की मांग की है।

महाराष्ट्र पुलिस पर कोरोना का कहर, 1,097 केस और 59 की मौत

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण ने पुलिस प्रशासन की कमर तोड़ दी है। यहां वर्तमान में 1,097 कोरोना मरीज हैं, वहीं 59 की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में यहां 67 पुलिसकर्मियों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है।

इन संक्रमित पुलिसकर्मियों में 122 अधिकारी भी शामिल हैं, वहीं कोरोना से अब तक 3 अधिकारी की मौत भी हो चुकी है। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया है कि कोरोना से जान गंवाने वाले हर पुलिकर्मी के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाएगी। उसके साथ ही

वे पुलिस के जिस सरकारी आवास में रह रहे हैं उसी में रह सकेंगे। बता दें कि अनलॉक-1 में कोरोना मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। चार दिनों में ही राज्य में रोग के 21,092 नए मामले सामने आए हैं। पिछले चार दिनों से रोज 5 हजार से अधिक नए मामले दर्ज हो रहे हैं। 26 जून को 5,024, 27 जून को 5,318, 28 जून को 5,493 और 29 जून को 5,257 नए केस दर्ज हुए। राज्य में कुल मरीजों की संख्या 1,69,883 हो गई है।

सोमवार को राज्य में 181 मरीजों के मौत के मामले भी दर्ज हुए हैं। आरोग्य विभाग के अनुसार, इनमें से 78 मौतें पिछले 48 घंटों में हुई हैं, जबकि 103 मौतें उससे पहले हुई थीं। अब तक कुल 7,610 लोगों की मौत का कारण वायरस बन चुका है। उपचार के बाद 2,385 लोगों को घर भेज दिया गया है। अब तक राज्य में कुल 88,960 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

...तू तड़ाक!

दरअसल ऐसा इसलिए है कि पीएम मोदी ने अपने संबोधन में चीनी घुसपैठ और सीमा विवाद पर एक शब्द भी नहीं बोला। और न ही पीएम ने अपने संबोधन में देश में लगातार करीब एक महीने से बढ़ रही पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ही एक शब्द कहा। देश में छाए आर्थिक संकट और विकराल होती बेरोजगारी पर भी प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक शब्द खर्च नहीं किया। खास बात ये है कि पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से ठीक पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए उनसे कुछ सवाल पूछे थे और उम्मीद जताई थी कि इन पर वह अपने संबोधन में कुछ बोलेंगे। वीडियो में राहुल गांधी ने पीएम मोदी से गरीबों को राहत देने के लिए न्याय योजना लागू करने की मांग के साथ ही यह भी पूछा था कि 'चीनी फौज भारतीय जमीन छोड़ कर कब जाएगी। राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में कहा, कोरोना वायरस ने गरीब, मध्यम, मजदूर वर्ग और वेतनभोगियों को जबरदस्त चोट पहुंचाया है। हमने सरकार से न्याय योजना को लागू करने की मांग की है, भले ही यह छह महीने के लिए हो। सरकार को गरीबों के खातों में हर महीने 7,500 रुपये ट्रांसफर करने चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा, पूरा देश जानता है कि चीन की फौज ने हमारी पवित्र जमीन छीनी है। चीन लद्दाख के अंदर चार जगहों पर बैठा हुआ है। नरेंद्र मोदी जी आप यह बताइए कि चीन की फौज को आप कब निकालेंगे और कैसे निकालेंगे। उन्होंने पिछले तीन हफ्तों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा।

आरोग्य सेतु ऐप में समस्या

आरोग्य सेतु ऐप के काम नहीं करने पर सोशल मीडिया में अटकलों का बाजार गरम हो गया है कि कहीं इसे हैक तो नहीं कर लिया गया है। आरोग्य सेतु ऐप 2 अप्रैल को लॉन्च किया गया था। यह ऐप आपके आस-पास कोरोना मरीज या कोई संभावित कोरोना पेशेंट है इसकी जानकारी देता है। 2 महीने में इस ऐप के डाउनलोड्स की संख्या 12 करोड़ से ज्यादा हो गई है। इस तरह यह भारत में सबसे ज्यादा डाउनलोड किए गए हेल्थ ऐप्स की फेहरिस्त में शामिल हो गया है। सरकार ने हाल ही में इस ऐप को ऐंड्रॉयड यूजर्स के लिए ओपन सोर्स किया था। इसके बाद कुछ ही समय में ऐप ने 12 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पीएमओ के ट्वीट में इसका जिक्र किया। पीएम ने अपने ट्वीट में कहा, मुझे यकीन है कि आपने आरोग्य सेतु के बारे में सुना होगा। 12 करोड़ सेहत के लिए सजग लोगों ने इसे डाउनलोड किया है। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में इससे बहुत मदद मिली है। कोरोना वायरस के संक्रमण से आपको दूर रखने के लिए सरकार ने 2 अप्रैल को आरोग्य सेतु ऐप डेवलप किया था। देखते ही देखते कुछ ही दिनों के भीतर करोड़ों लोगों ने इसे डाउनलोड किया था।फिलहाल आरोग्य सेतु ऐप ने काम करना बंद कर दिया है। इसके पीछे वजह क्या है इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन सरकार बार-बार लोगों से अपील करती रहती है कि इस ऐप का प्रयोग करें।

एक जुलाई से चलेंगी 350 और लोकल ट्रेनें, सरकारी कर्मचारी ही कर सकेंगे सफर

मुंबई। कोरोना महामारी के बीच घोषित लॉकडाउन में छूट के दूसरे चरण में मुंबई में बुधवार से 350 लोकल ट्रेनें और चलेंगी। हालांकि इस दौरान इन ट्रेनों में केवल सरकारी कर्मियों को ही सफर करने की इजाजत दी गई है। रेलवे का कहना है कि ये सेवाएं आम लोगों के लिए नहीं होंगी। रेल मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार, केंद्र, आईटी, जीएसटी, सीमा शुल्क, पोस्टल, राष्ट्रीयकृत बैंक, एमबीपीटी, न्यायपालिका, रक्षा और राजभवन के स्टाफ सहित जरूरी कर्मचारियों को ही सफर करने की अनुमति होगी। खबर के मुताबिक, रेल मंत्रालय ने लोकल ट्रेनों के चलाने के दौरान यह भी घोषणा की है कि आम यात्रियों के लिए अभी तक कोई सेवा नहीं शुरू नहीं की गई है। केवल आवश्यक कटेगरी वाले यात्री की इस दौरान सफर कर सकेंगे। बता दें कि मुंबई की लाइफ लाइन कही जाने वाली लोकल

ट्रेन सेवा पिछले करीब 3 महीने से बंद होने के बाद 16 जून को कुछ सर्विस के साथ शुरू हुई थी। बता दें कि मुंबई के उपनगरीय रेल मार्ग पर आवश्यक सेवाओं के लिए 362 लोकल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। इन लोकल सेवाओं में करीब सवा लाख कर्मचारी रोजाना सफर करेंगे। रेलवे का अनुमान है कि सवा लाख में से 50 हजार कर्मचारी पश्चिम रेलवे में सफर करेंगे। मध्य रेलवे ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ये लोकल सेवाएं केवल उन लोगों के लिए संचालित की जा रही है, जिन्हें राज्य सरकार ने अत्यावश्यक सेवाओं के लिए चिन्हित किया है।

सुशांत सुसाइड केस

7 घंटे तक बांद्रा पुलिस स्टेशन में हुई 'दिल बेचारा' फिल्म की एक्ट्रेस संजना सांघी से पूछताछ

'दिल बेचारा' सुशांत की आखिरी फिल्म

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड मामले में मंगलवार को उनकी अंतिम फिल्म 'दिल बेचारा' की एक्ट्रेस अभिनेत्री संजना सांघी से बांद्रा पुलिस स्टेशन में 7 घंटे तक पूछताछ हुई। संजना को सोमवार को ही पुलिस ने समन किया था, लेकिन दिल्ली में होने के कारण वह नहीं आ सकी थी। 2018 में 'मी-टू कैम्पेन' के दौरान मीडिया में खबरें आई थी कि संजना ने सुशांत पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। हालांकि, सुशांत ने इसका खंडन करते हुए दोनों के बीच हुई बातचीत के कुछ स्क्रीनशॉट शेयर किए थे। बाद में संजना ने सुशांत पर आरोप लगाने की खबरों को गलत बताया था। ऐसे में संजना से पूछताछ इस जांच की एक अहम कड़ी साबित हो सकती है।

संजना ने पुलिस स्टेशन से बाहर आते हुए मीडिया के किसी सवाल का जवाब नहीं दिया।

मुंबई पुलिस के अधिकारी से मिली सुशांत की बहन

मंगलवार को सुशांत की बहन और उनके दोस्त महेश शेट्टी ने मुंबई पुलिस के एक अधिकारी से मुलाकात की है। दोनों ने सुशांत की मौत से जुड़ी जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट मांगी है। साथ ही पुलिस से निवेदन किया है कि सुशांत कि वे सुशांत का फ्लैट खाली करना चाहते है। जानकारी के मुताबिक, सुशांत के फ्लैट का किराया बहुत ज्यादा है इसलिए परिवार अब इसे खाली करना चाहता है। साथ ही दोनों ने सुशांत के बाकी समान को अपने साथ ले जाने की अनुमति मांगी है। सूत्रों के मुताबिक, सुशांत के पिता ने उनके अकाउंट को एक्सेस करने की मंजूरी मांगी है।

विक्किपीडिया पर मौत की जानकारी अपडेट करने की होगी जांच

मुंबई पुलिस अब सुशांत के विक्किपीडिया पेज पर उनकी मौत की जानकारी अपडेट करने के एंगल की जांच भी कर रही है। घर के नौकरों ने अपने बयान में कहा है कि 14 जून(सुसाइड वाले दिन) शुशांत सिंह राजपूत करीबन 9 बजकर 30 मिनट के करीब बाहर आये थे और उन्होंने जूस पिया और तकरीबन 10 बजे के करीब वापस अपने कमरे में चले गए। लेकिन विक्किपीडिया पर उनकी मौत की जानकारी 8.59 मिनट पर अपडेट हुई है। पुलिस इसके तकनिकी पहलू की जांच कर रही है।

अब तक 26 लोगों के बयान दर्ज: सुशांत की मौत के सिलसिले में पुलिस ने परिवार, दोस्त, पुराने मैनेजर, टीम मेम्बर्स, हाउस स्टाफ और फ्रेंड रिया चक्रवर्ती समेत करीब अब तक 26 लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। यशराज फिल्म्स की ओर से वह कॉन्ट्रैक्ट कॉपी भी जमा की जा चुकी है, जिसे सुशांत ने 2012 में साइन किया था। उनके डॉक्टर का बयान अभी नहीं लिया गया है। पिछले बुधवार को उनके सीए का बयान दर्ज किया गया था।

फाइनल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत: सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून को आत्महत्या की थी। उनकी फाइनल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बुधवार (24 जून) को सामने आई। इसके अनुसार अभिनेता की मौत में कोई साजिश (फाउल प्ले) नहीं था। 5 डॉक्टर्स की टीम द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि सुशांत की मौत फांसी लगाने के बाद दम घुटने से हुई है।

पुलिस को बिसरा रिपोर्ट का अभी इंतजार: खबर के मुताबिक, सुशांत सिंह की बिसरा रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र फॉरेंसिक विभाग को पत्र लिखा है कि इस जांच को तुरंत पूरा किया जाए।

दिल्ली से तीन दिन बाद भोपाल लौटे शिवराज ने कहा- जल्द होगा मंत्रिमंडल का विस्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश में शिवराज मंत्रिमंडल का 30 जून को होने वाला संभावित विस्तार टल गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह तीन दिन दिल्ली में रहकर मंगलवार सुबह भोपाल लौट आए। शिवराज ने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होगा, लेकिन कल यानी बुधवार को नहीं होगा। कल प्रभारी राज्यपाल आनंदी बेन को शपथ दिलवाई जाएगी। बताया जा रहा है कि संगठन 13 वरिष्ठ विधायकों की जगह युवा चेहरों को मौका देना चाहता है, जबकि शिवराज इससे सहमत नहीं हैं। शिवराज के साथ दिल्ली से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और संगठन महामंत्री सुहास भगत भी लौट आए।

मंत्रिमंडल विस्तार टलने के बाद प्रदेश की राजनीति में कुछ बड़ा होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। कल देवशयनी एकादशी है, इसके बाद शुभ काम 5 महीने के लिए अटक जाएंगे।

दिल्ली में बीते दो दिन में मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। वे गृह मंत्री अमित शाह से दो बार मिले। सोमवार शाम उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी चर्चा की। सोमवार को खबर आई थी कि संभावित मंत्रियों के नाम फाइनल हो गए हैं और 30 जून को शपथ ग्रहण हो जाएगा। इसके बाद शाम को सियासी घटनाक्रम एकदम बदल गया। अचानक प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को दिल्ली बुलाया गया। उनकी किन-किन नेताओं से मुलाकात हुई, इसका ब्योरा नहीं मिला। उधर, सिंधिया का भोपाल दौरा रद्द हो गया है। वे मंगलवार सुबह भोपाल आने वाले थे। संगठन ने अगर नए चेहरों को मौका दिया तो इस बार 13 वरिष्ठ विधायकों का मंत्री बनना मुश्किल होगा। इनमें गोपाल भार्गव, विजय शाह, सुरेंद्र पटवा, रामपाल सिंह, राजेंद्र शुक्ल, पारस जैन, नागेंद्र सिंह, करण सिंह वर्मा, जगदीश देवड़ा, गौरीशंकर बिसेन, अजय विश्नोई, भूपेंद्र सिंह का नाम है। ये पिछली तीन भाजपा सरकारों में मंत्री रहे हैं। इन अटकलों पर विधायक गोपाल भार्गव ने कहा कि भाजपा भी वही गलती कर रही है जो कांग्रेस ने की थी। पार्टी को वरिष्ठनेताओं का सहयोग लेना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, शिवराज की ओर से प्रस्तावित मंत्रिमंडल की सूची को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने रिजेक्ट कर दिया है। इसके साथ नए नामों को लेकर कवायद तेज हो गई है।

अपारशक्ति ने बताया कोरोना के बीच कैसे होगा प्यार

अपारशक्ति खुराना की नई फिल्म हेलमेट रिलीज होने वाली है। फिल्म में प्रनुतन बहल को उनके अपोजिट कास्ट किया गया है। अब कहने को फिल्म की ज्यादातर शूटिंग लॉकडाउन से पहले ही पूरी कर ली गई थी। लेकिन अब कोरोना के बीच अपारशक्ति ने बताया है कि रोमांटिक सीन्स कैसे दिख सकते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म के एक सीन की फोटो शेयर की है। फोटो में अपारशक्ति और प्रनुतन रोमांस कर रहे हैं। अब यही पर ट्विस्ट देखने को मिलता है। अपारशक्ति ने एक और फोटो शेयर की है, बस फर्क ये है कि उस फोटो में अपारशक्ति और प्रनुतन ने फेस शील्ड पहन रखी है।

मंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने की 'नमो ऐप' को बैन करने की मांग

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नमो ऐप' को बंद करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आधिकारिक मोबाइल फोन

ऐप्लिकेशन नमो ऐप चोरी-छिपे प्राइवेसी सेटिंग को बदल देता है और डाटा अमेरिका में थर्ड पार्टी कंपनियों को भेजता है। चव्हाण ने कहा कि यह भारतीयों की प्राइवेसी का उल्लंघन कर रहा है। चव्हाण ने ट्वीट कर लिखा, यह अच्छा है कि मोदी सरकार 59 चीनी ऐप पर पाबंदी लगाकर 130 करोड़ भारतीयों की प्राइवेसी की रक्षा कर रही है। नमो ऐप भी 22 करोड़ लोगों के डाटा को एकत्र कर प्राइवेसी सेटिंग बदल कर और अमेरिका में थर्ड पार्टी कंपनियों को भेजकर भारतीयों की प्राइवेसी का उल्लंघन करता है।

सेलिब्रिटीज में कोरोना: खान का हाउस स्टाफ पॉजिटिव

परिवार में सभी की रिपोर्ट निगेटिव, लेकिन मां जीनत की जांच होना बाकी

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस की चपेट में अब आमिर खान का घर भी आ गया है। आमिर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए इस बात को कन्फर्म किया कि उनका हाउस स्टाफ कोरोनावायरस पॉजिटिव पाया गया है। जिसके बाद उनके परिवार की जांच हुई। इस जांच में आमिर और उनका परिवार कोरोना निगेटिव पाया गया। लेकिन उनकी मां जीनत हुसैन की जांच अभी तक नहीं हुई। आमिर ने फैन्स से मां के लिए दुआ करने की अपील की है।

बीएमसी को किया शुक्रिया

आमिर खान ने पोस्ट में स्टाफ के पॉजिटिव पाए जाने के बाद बीमएसी द्वारा लिए गए एक्शन के बारे में भी लिखा। आमिर की पोस्ट में संख्या तो पता नहीं चली लेकिन वे एक से ज्यादा स्टाफ की बात कर रहे हैं। सभी को क्वारैंटाइन कर दिया गया है। आमिर ने बीमएसी द्वारा उन्हें दी गई मेडिकल सहायत की भी तारीफ करते हुए धन्यवाद दिया। साथ ही कोकिलाबेन हॉस्पिटल के डॉक्टर, नर्स और स्टाफ को भी शुक्रिया कहा। बीते महीने प्रोड्यूसर-डायरेक्टर करण जौहर के स्टाफ के दो मेंबर्स में कोरोनावायरस का संक्रमण पाया गया था। करण ने खुद इस बात की जानकारी बीएमसी को दे दी थी। इसके बाद संक्रमितों को घर के एक सेक्शन में क्वारैंटाइन कर दिया गया था और करण का पूरा परिवार भी होम आइसोलशन में रहा था।

इन तक पहुंच चुका कोरोना

इससे पहले बोनी कपूर के स्टॉफ में कोरोना संक्रमण हो चुका है। मलाइका अरोड़ा की बिल्डिंग भी कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के कारण कंटेनमेंट जोन घोषित की जा चुकी है। अन्य सेलेब्स में जोया मोरानी, करीम मोरानी, शजा मोरानी, किरण कुमार, कनिका कपूर और मोहेना सिंह भी कोरोना संक्रमित होने के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं।

डॉ. निगार जौहर बनीं लेफ्टिनेंट जनरल, पाक आर्मी में थ्री स्टार रैंक हासिल करने वाली पहली महिला

संवाददाता

इस्लामाबाद। डॉ. निगार जौहर पाक आर्मी में लेफ्टिनेंट जनरल बनीं हैं। वह पाकिस्तान की पहली महिला हैं, जिन्हें पाक आर्मी में थ्री स्टार रैंक मिली है। इसके साथ ही उन्हें पाक सेना की पहली महिला सर्जन जनरल भी नियुक्त किया गया है। साल 2017 में निगार को मेजर जनरल बनाया गया था। तब वह यह रैंक हासिल करने वाली तीसरी महिला थीं। निगार पाकिस्तान के श्वाबी जिले के खैबर पख्तूनख्वा की रहने वाली हैं। निगार एक डॉक्टर होने के साथ-साथ माहिर शूटर भी हैं। लेफ्टिनेंट जनरल जौहर पाकिस्तान आर्मी के मेडिकल कोर में पोस्टेड हैं। वह साउथ एशिया के सबसे बड़े आर्मी अस्पताल की कमान संभाल रही हैं, जहां हर दिन 700 से ज्यादा रोगी इलाज के लिए आते हैं। निगार को

2015 में सीएमएच झेलम का कमांडेंट नियुक्त किया गया था। इस मुकाम पर पहुंचने वाली वह पहली महिला थीं। निगार पाकिस्तान के पूर्व सेना अधिकारी रिटायर्ड मेजर मोहम्मद आमिर की भतीजी हैं। वे इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) में थे। उनके पिता कर्नल कादिर भी आईएसआई में थे। करीब 30 साल पहले एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। इस हादसे में उनकी पत्नी की भी जान गई थी। निगार को 2015 में इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक वीडियो में दिखाया गया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान मेरा देश है और मैं यहां पैदा हुई। मुझे यहां आगे बढ़ने का मौका मिला। यह पहला ऐसा देश है जिसकी आर्मी में महिला जनरल ऑफिसर है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समस्तीपुर हलचल

जाप के सुप्रीमो पप्पू यादव शहीद अमन के परिजन से मिलकर दिया सांत्वना

संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के मोहीउद्दीननगर में पूर्व सांसद सह जन अधिकार पार्टी के सुप्रीमो पप्पू यादव मंगलवार की सुबह शहीद अमन के परिजन से मिलने सुलतानपुर गांव पहुंचे। जहां शहीद अमन के तैल चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। तदुपरांत उनके परिजन से मिलकर ढ़ाढ़स बंधाया। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी शहीद सैनिको के परिवार के साथ है। हम चाहते है कि जो देश के लिए अपनी आहूती दी उन्हें सरकार हर संभव सहायता दे। ताकि भविष्य में कोई भी युवा सेना में जाने से नहीं कतराए। उनका मनोबल बढ़ा हुआ रहे। उन्होने कहा कि सरकार मात्र 59 एप्प पर बैंड लगाया है,जबकि भारत में 2 सौ से अधिक कंपनी का शेयर है। जिसमें

मैट्रो,दवा,मेडिकल एस्टिमेन्ट शामिल है। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि सरकार बताये की उन्होने पुलवामा हमले में शहीद हुए कौन कौन से शहीदों के परिजन को नौकरी एवं पैसे दिए। सरकार सबसे ज्यादा सामरिक संसाधनों पर पैसे खर्च किया है, लेकिन उसके बदले क्या मिला। आज हालत इतने बुरे है कि भारत को ताइवान, चीन, पाकिस्तान बंगलादेश, श्रीलंका आंख दिखा रही है वहीं नेपाल ने कानुन पास कर दिया। हमारी हमेशा मांग रही है कि चाइना को बाजार कभी मत देना, लेकिन सरकार ने एक नहीं सुनी। आज हालत यहां तक आ पहुंचा। उन्होने कहा कि सरकार को अपने स्तर से शहीद सैनिको का प्रतिमा का निर्माण करना चाहिए। अगर वे नहीं करते है तो हम अपनी ओर से शहीद के परिजन जहां चाहेंगे वहां प्रतिमा का निर्माण कर देंगे। मौके पर पूर्व विधायक अजय कुमार बुल्गानीन,अविनाश झा, रंधीर भाई, रधुपति सिंह,मनीष कुमार राय आदि मौजूद थे। पप्पू यादव मोहीउद्दीननगर में शहीद अमन को श्रद्धांजलि देने के बाद दरभंगा जाने के लिए कुच कर गए। दरभंगा जाने के क्रम में समस्तीपुर स्थित अतिथि गृह के पास मात्र 10 मिनट के लिए रुके और पूर्व से प्रतीक्षा कर रहे कार्यकर्ताओं से मिले। कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहना कर जबरदस्त स्वागत किया। स्वागत करने वालों में अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रंधीर कुमार,जिला महासचिव राजीव कुमार राय, प्रखंड अध्यक्ष अभिषेक कुमार उर्फ टिंकू, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष मो0 गब्बर, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह आदि का नाम शामिल हैं।

किराना व्यवसाई से मारपीट, घायल

समस्तीपुर। किराना व्यवसाई को मारपीट कर किया गंभीर रूप से घायल। अस्पताल में भर्ती, विभूतिपुर थाना क्षेत्र के केराई गांव के किराना व्यवसाई को कुछ लोगों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घाएलवकर दिया। केराई गांव निवासी अमरेश कुमार की किराना दुकानों पर कुछ लोगों ने हमला कर अमरेश कुमार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। गांव के लोगों ने घायल अमरेश को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है।

रामपुर हलचल

लॉकडाउन के चलते मीनाबाजार में दुकानदारों द्वारा दुकानें खोलकर किया जा रहा था खुला उल्लंघन

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। लॉकडाउन के चलते मीनाबाजार में दुकानदारों द्वारा दुकानें खोलकर खुला उल्लंघन किया जा रहा था ओचक निरीक्षण के दोरान खुली दुकानें पकड़ में आने पर दुकानदारों से जुमार्ना भी वसूला गया ओचक निरीक्षण को लेकर मीना बाजार दुकानदारों में हड़कम्प मच गया कुछ दुकानदार अपनी अपनी दुकानें बन्द कर भागने में सफल हो गये तहसीलदार महेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों से दुकानें खुली पाई जाने पर सख्ती के साथ निपटा जायेगा।

नवीन मंडी स्थल टांडा में किसानों का गेहूं खरीदे जाने का कार्य किया जा रहा है

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। नवीन मंडी स्थल टांडा में सरकारी गेहूं क्रय केन्द्र पी. सी. एफ केन्द्र प्रभारी देवेन्द्र कुमार व एम. डी तुषार कुमार के माध्यम से किसानों का गेहूं खरीदे जाने का कार्य किया जा रहा है दिनाकं 26/06/2020 को राकेश सिंह पुत्र मलखान सिंह निवासी ग्राम बादली अपना गेहूं पी. सी. एफ केन्द्र पर पहुंचा गेहूं का वजन 13 क्विंटल 50 किलो ग्राम था जिसको केन्द्र प्रभारी द्वारा तुलवाकर रख लिया गया गेहूं की रकम अगले दिन मिलने को लेकर टकरा दिया गया लगातार चक्कर लगाये जाने के उपरान्त भी गेहूं की रकम एवं बिल भी नहीं दी जा सकी हैं जिसके चलते क्रषक को माली नुकसान पहुचनें का भय बना हुआ है लगातार रकम मांगे जाने पर अनेकों प्रकार की गम्भीर धमकियों दी जा रही हैं सरकारी गेहूं क्रय केन्द्र पर जैसा बर्ताव क्रषक के साथ किया जा रहा हैं अन्य किसानों के साथ भी यही रवेय्या अपनाकर उनको प्रताड़ित किया जाता है अपनी परेशानी के चलते एक शिकायती पत्र उपजिलाधिकारी टांडा को प्रस्तुत कर शीघ्र समस्या का निस्तारण कराये जाने की मांग की गई हैं पत्र पर शिकायत कर्ता के हस्ताक्षर मोजूद हैं।

मधुबनी हलचल

देश में बढ़ते पेट्रोल डीजल की कीमतों के मद्देनजर कांग्रेस के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया

संवाददाता

मधुबनी। देश में बढ़ते पेट्रोल डीजल की कीमतों के मद्देनजर कांग्रेस के आह्वान पर मधुबनी में युवा कांग्रेस के संजय झा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया मधुबनी शहर में प्रदर्शन कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने डीजल एवं पेट्रोल की कीमतों को वापस लेने की केंद्र सरकार से मांग की वही कांग्रेसी युवा नेता अकील अनजुम ने कहा कि केंद्र सरकार को शर्म आनी चाहिए इस कोरोना संकट के दौरान डीजल एवं पेट्रोल की कीमतों में लगातार वृद्धि की जा रही है परंतु सरकार बेशर्मी से यह कह रही है कि सरकार के हाथों में कीमतों में रोक लगाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो यही बीजेपी के लोग

जब विपक्ष के रोल में इसी पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों पर हो रही वृद्धि पर कांग्रेस सरकार पर लगातार हमला कर रही थी स्मृति रानी दिल्ली के सड़कों में गैस सिलेंडर लेकर प्रदर्शन कर रही थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को चूड़ियां भेज रही थी अभी स्मृति रानी किसी बिल में जाकर छुप गई है-जबकि कार्यक्रम थाना चौक से आरंभ होकर बरा बाजार होते हुए शंकर चौक और थाना चौक मे संपन्न कराया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेसी नेता अकील अनजुम के अलावे अमानुललाह खान रिजवान अहमद, मो सनाउललाह सितलामभर झा मो अनिस नवेद आलम, नफीस आलम, मो कबीर रिजवान रजा जहिर हुसैन, आदि सहित सैकड़ों की तादाद में कांग्रेसी कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जानलेवा कैंसर को जड़ से खत्म करता है 'मीठा करेला' !

आज की मॉडर्न लाइफस्टाइल में वैज्ञानिक हर रोज नई-नई खोज कर रहे हैं लेकिन अभी तक कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं मिल सका। यहीं कारण है कि आज पूरी दुनिया में कैंसर से लाखों लोग मौत के शिकार हो रहे हैं हालांकि आयुर्वेद में सभी प्रकार की बीमारियों के उपचार की बात की गई है लेकिन जानकारी न होने की वजह से लोगों को इसका फायदा नहीं मिल पा रहा है।

आज हम आपको एक ऐसी सब्जी के बारे में बताने जा रहे है जिसे दुनिया की सबसे ताकतवर सब्जी माना जाता है। इसका सेवन करने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी जड़ से खत्म हो जाती है और शरीर को ताकत मिलती है। करेले जैसे दिखने वाली यह सब्जी कंटोला बाजार में आसानी से मिल जाता है। इसे मीठा करेला के नाम से भी जाना जाता है। इस सब्जी को आप 100 रुपए प्रति किलो से लेकर 150 रुपए प्रति किलो में खरीद सकते है। यह खाने में भी बहुत स्वादिष्ट होता है। हर उम्र के लोग इसका सेवन कर सकते है।

1. कंटोला में फाइटोकेमिकल्स, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, मोमोरडीसिन और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
2. इस सब्जी में मीट के तुलना में 50 गुना अधिक प्रोटीन और ताकत होती है।
3. इसमें फाइटोकेमिकल्स, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, मोमोरडीसिन और फाइबर कैंसर और दिल संबंधी बीमारियों की रोकथाम में बेहद मददगार है।
4. ये सब्जी आपका वजन कम करने में भी मददगार होती है।

रोजाना शंख बजाकर दूर भगाएं तनाव से लेकर चेहरे की झुर्रियां

पूजा-अर्चना में शंख बजाने का चलन बहुत पुराना है। मगर क्या आप जानते हैं कि रोजाना शंख बजाना आपकी सेहत के लिए कितना अच्छा होता है। इतना ही नहीं, रोज शंख बजाने और इसमें रखा पानी पीने से आपकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के साथ कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स भी दूर होती हैं। तो आइए जानें, रोजाना शंख बजाने या इसका पानी पीने से आपको क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

शंख बजाने के फायदे

1. झुर्रियां दूर करें

अगर आप समय से पहले आने वाली झुर्रियों की समस्या को लेकर परेशान है तो रोजाना शंख बजाने से आपको इससे छुटकारा मिल जाएगा। दरअसल, शंख बजाने से आपके फेस की मसल्स स्ट्रेच होती हैं, जिससे फाइन लाइन्स दूर हो जाती है।

2. स्किन प्रॉब्लम

स्किन प्रॉब्लम जैसे पिपंल्स, छाइयां, डार्क पैचेस या त्वचा रोग को दूर करने के लिए भी शंख फायदेमंद होता है। इसके लिए आप रातभर शंख में पानी भरकर रखें और सुबह इससे त्वचा की मसाज करें। इससे आपकी सभी स्किन प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

3. एलर्जी या रैशेज

एलर्जी, रैशेज या सफेद दाग जैसी स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने से लिए शंख के पानी से त्वचा की मसाज करें। इसके अलावा रातभर भिगा हुआ पानी सुबह पीने से भी आपकी स्किन प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

4. तनाव

रोज शंख बजाने से आपका तनाव भी दूर हो जाता है क्योंकि इससे आपके दिमाग में खून का संचार ठीक से होता है और इससे स्ट्रेस लेवल कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा इससे आपका दिमाग दिनभर शांत भी रहता है।

5. पेट में गैस की समस्या

शंख बजाने से आपकी रेक्टल मसल्स सिकुड़ती और फैलती हैं, जिसके कारण शरीर के अंदरूनी अंगो की एक्सरसाइज हो जाती है। इससे आपकी गैस की समस्या दूर हो जाती है।

6. हड्डियों और आंखों के लिए फादेमंद

शंख में कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस जैसे गुण पाए जाते हैं इसलिए इसमें रखा पानी पीने से आंखों की रोशनी तेज होती है। इसके अलावा रोज शंख में रखा पानी पाने और उसे बजाने से हड्डियां भी मजबूत होती है।

7. फेफड़ों के लिए फायदेमंद

शंख बजाने से आपके फेफड़ों की बढ़िया एक्सरसाइज हो जाती है, जिससे वह हमेशा स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को सांस संबंधी समस्याएं है उन्हें भी शंख बजाने से इन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है।

खांसी-जुकाम से हो गए हैं बेहाल तो दवा नहीं अपनाएं ये देसी नुस्खे

मौसम में बदलाव आते ही खांसी-जुकाम होने लगता है। बहता हुआ नाक, सिर दर्द ,बदन दर्द से इंसान की हालत खराब हो जाती है। इससे तुरंत राहत पाने के लिए लोग कई सारी दवाइयों का सहारा लेते हैं। इन दवाओं से खांसी-जुकाम तो ठीक हो जाती है। मगर सेहत पर गलत असर पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे आसान से नुस्खे बताएंगे जो बिना साइड-इफैक्ट के खांसी-जुकाम ठीक कर देंगे।

1. हल्दी

खांसी-जुकाम से राहत पाने के लिए 1 गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पीएं। इसके साथ ही सूखी हल्दी को जलाकर उसका धुंआ सूंघने से जुकाम ठीक होता है।

2. गेहूं की भूसी

खांसी-जुकाम ठीक करने के लिए भूसी का इस्तेमाल करें। 2 गिलास पानी में 10 ग्राम गेंहू की भूसी, 5 लौंग और 2 चुटकी काला नमक डालकर तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। इस तैयार काढ़े को पीने से खांसी जुकाम में तुरंत सुधार होगा।

3. तुलसी

तुलसी खांसी-जुकाम के लिए किसी औषधि से कम नही हैं। तुलसी के 2 से चार पत्ते चबाने से गले की खराश और खांसी से राहत मिलती है। आप चाहें तो इसे चाय में उबालकर भी पी सकते हैं।

4. अदरक

अदरक के रस शहद में मिलाकर खाने से भी खांसी दूर होती है। वलगम होने पर रात को सोने से पहले दूध या चाय में अदरक उबालकर पीएं। आपकी सेहत में जल्द सुधार होगा।

5. इलाइची

इसको चाय में उबालकर पीने से जुकाम- खांसी नही होता। यदि फिर भी जुकाम हो जाए तो इलाइची के दानों को रुमाल में लपेटकर सूंघने से जुकाम से निजात मिलती है।

6. हर्बल टी

सिर दर्द, जुकाम ,बुखार, खांसी होने पर हर्बल चाय पीएं। यह शरीर को गर्म रखती है और बीमार होने से बचाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पुलकित सम्राट ने कीर्ति खरबंदा के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर की बात

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट का कहना है पर्दे पर उनकी सह-कलाकार कृति खरबंदा के साथ उनकी केमिस्ट्री के पीछे का राज उनकी करीबी दोस्ती है। पुलकित ने कहा, मुझे लगता है कि हम सबसे अच्छे व करीबी दोस्त हैं और इसलिए स्क्रीन पर हमारी केमिस्ट्री को हम सहजता से पेश कर लेते हैं। हमें लॉकडाउन में कुछ अच्छे पल बिताने का समय मिला है। हमें एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने का मौका मिला। दोनों कलाकारों ने 'वीरे की वेडिंग' और 'पागलपंती' में साथ काम किया है, वहीं दोनों एक बार फिर बेजोए नंबियार की फिल्म 'तैश' में साथ दिखेंगे। 'क्यूंकी सास भी कभी बहू थी' शो के साथ टेलीविजन में अपने करियर की शुरूआत करने वाले पुलकित ने 'फुकरे' सीरीज, 'जय हो', 'डॉली की डोली' और '3 स्टोरेज' जैसी अन्य फिल्मों में काम किया है।

प्रियंका चोपड़ा ने की नेपोटिज्म पर खुलकर बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने जबसे करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में नेपोटिज्म पर खुलकर बात की है, तभी से यह चर्चा का विषय बना हुआ है। सभी सेलेब्स सामने आकर इसपर अपनी राय रख रहे हैं। ऐसे में हाल ही में प्रियंका चोपड़ा का इसपर बयान सामने आया है। कई लोग प्रियंका की राय से सहमत हैं तो कई का कहना है कि स्टार किड होने से फर्क नहीं पड़ता। अगर आपके अंदर टैलेंट है तो आप सक्सेसफुल हो सकते हैं। प्रियंका चोपड़ा कहती हैं, इंडस्ट्री में हर तरह का नेपोटिज्म है। और मुझे नहीं लगता कि एक फिल्मी परिवार में अगर आपका जन्म हुआ है तो यह कोई गलत बात है। प्रियंका अपनी बॉलीवुड जर्नी पर बात करते हुए कहती हैं कि मैंने भी बहुत बार नेपोटिज्म को झेला है। उसे फेस किया है। मुझे कई बार फिल्मों से निकाला गया है क्योंकि उनसे किसी और के नाम की सिफारिश की गई है। लेकिन मैं इस नेपोटिज्म से बाहर निकली। मुझे फेल होने का डर नहीं था। चीजों को पाने के लिए मैंने मेहनत की, खुद को ट्रेन किया। खुद के लिए चीजें तय कीं, जो मुझे जिंदगी में पानी थीं। मैं जानती थी कि दुनिया में कुछ भी फ्री में नहीं मिलता है।

शाहरुख खान ने 'स्लमडॉग मिलियनेयर' का ठुकरा दिया था ऑफर

डायेरक्टर डैनी बॉयल की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। इसने अपने नाम कई बड़े अवॉर्ड भी किए। फ्रीडा पिंटो और देव पटेल इसी फिल्म से करियर की ऊंचाइयों तक पहुंचे। और आज भी यह फिल्म लाखों-करोड़ों लोगों के दिल के करीब है। ऑस्कर्स में 'स्लमडॉग मिलियनेयर' ने अपने नाम 8 अवॉर्ड्स किए। इसे बेस्ट पिक्टर फिल्म का भी अवॉर्ड मिला। इसमें अनिल कपूर मुख्य किरदार में नजर आए थे, जो क्विज शो के होस्ट बने थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह फिल्म अनिल कपूर से पहले शाहरुख खान को ऑफर हुई थी? जी हां, आपने सही पढ़ा। शाहरुख खान को शो के होस्ट का रोल ऑफर हुआ था। बताते चलें कि शाहरुख खान असल जिंदगी में कौन बनेगा करोड़पति भी होस्ट कर चुके हैं। और इसी वजह से शाहरुख खान ने इस फिल्म के रोल को ठुकरा दिया था। डैनी बॉयल और शाहरुख खान ने फिल्म के कुछ हिस्सों पर साथ काम किया था। लेकिन बाद में शाहरुख खान ने यह फिल्म छोड़ दी और अनिल कपूर को इसके लिए फाइनल किया गया। साल 2010 में अपनी फिल्म 'माई नेम इज खान' को प्रमोट करते हुए शाहरुख खान ने खुद इस बारे में जॉनेथन रॉस चैट शो में इसकी जानकारी दी थी। शाहरुख खान ने कहा था कि डैनी मेरा बहुत अच्छा दोस्त है, और मैं बहुत खुश था कि यह फिल्म बन रही है।